University in News on 05 June 2025

DAINIK JAGRAN PAGE 12

विदेशी विद्यार्थियों को भी पसंद मनोविज्ञान की पढ़ाई

अखिल सक्सेना • जागरण

स्थापना : 1929 | प्रथम विभागाध्यक्ष : प्रो. काली प्रसाद
विद्यार्थी : 640 | शिक्षक : चार प्रोफेसर, पांच विषय विशेषज्ञ

लखनऊ : किसी भी व्यक्ति की मनोदशा को समझना एक कला है। उससे भी ज्यादा जरूरी है खुद को समझना, क्योंकि समस्याएं व्यवहार पर ही केंद्रित होती हैं। इसे समझ लें तो समाधान भी आ जाएगा। 12वीं के बाद मनोविज्ञान की पढ़ाई कर उसकी बारीकियां सीखना है तो लखनऊ विश्वविद्यालय अच्छा विकल्प है। मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक इन सब चीजों को अच्छे से समझने और समझाने का काम करते हैं। थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल में विभिन्न उपकरणों और काउंसिलिंग से छात्र-छात्राओं को इसके तरीके बताते हैं।

यही कारण है कि इस कोर्स को पढ़ने के लिए बांग्लादेश, मारीशस, इथियोपिया, वियतनाम आदि देशों से छात्र-छात्राएं भी यहां स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी कर रहे हैं।

इन पूर्व छात्र-छात्राओं ने बढ़ाया मान

- आशा श्रीवास्तव, निदेशक, सेंट्रल फारेंसिक साइंस लेबोरेटरी, सीबीआइ नई दिल्ली
- फलक, बाल मनोवैज्ञानिक, एम्स पटना,
- शिवानी गुप्ता, विज्ञानी-बी, डीआरडीओ
- डा. माया बाजपेई, डिप्टी डायरेक्टर, यूपी एड्स कंट्रोल सोसाइटी,
- डा. मिनी चंद्रा, सहायक कुलसचिव, डा. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, अयोध्या
- गरिमा सिंह, स्टेट टैक्स आफिसर
- डा. मोनिका श्रीवास्तव, प्रोग्राम डायरेक्टर, आदित्य बिरला ग्लोबल सेंटर फार लीडरशिप लर्निंग
- डा. रीमा श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, एरा यूनिवर्सिटी
- शिवानी सिंह चौहान, एक्साइज इंस्पेक्टर

बच्चों के हिसाब से अलग-अलग पढ़ाई के तरीके

विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. अर्चना शुक्ला बताती हैं, आज-कल मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती जा रही है। डाक्टर के पास इसका ऊपरी इलाज है, लेकिन समस्या की जड़ का इलाज मनोविज्ञान करता है। ज्यादातर स्कूल-कालेज और अस्पताल में भी अब मनोविज्ञान काउंसलर रखे जा रहे हैं। इसलिए काफी छात्र-छात्राएं इस कोर्स में स्नातक, परास्नातक व पीएच.डी कर रहे हैं। कोर्स कंटेंट में थ्योरी पढ़ाई जाती है। फिर प्रैक्टिकल में बताया जाता है कि उसे प्रयोग में कैसे लाएं? विद्यार्थियों के हिसाब से अलग-अलग पढ़ाई के तरीके इजात किए गए हैं। जैसे थ्योरी, असाइनमेंट, प्रजेंटेशन, फोकस ग्रुप डिस्कशन के अलावा नए कांसेप्ट को पीपीटी और स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाते हैं। सामाजिक ज्वलंत मुद्दे पर बनी फिल्म को दिखाकर उसकी भी समीक्षा भी करवाते हैं। मनोविज्ञान की किताबें व उसके टापिक की समीक्षा, टाप जर्नल में मनोविज्ञान के रिसर्च पेपर की समीक्षा करवाते हैं।

विभाग के प्रमुख शिक्षक

डा. अर्चना शुक्ला, डा. मानिनी श्रीवास्तव, डा. मेघा सिंह, डा. हर्षिका सिंघल।

सिर्फ दो जगह पीजी में मनोविज्ञान

पीजी स्तर पर सरकारी संस्थानों में मनोविज्ञान विषय की पढ़ाई सिर्फ दो जगह होती है। लखनऊ विश्वविद्यालय और फिरोज गांधी पीजी कालेज, रायबरेली।

नैरेटिव एनालिसिस से लगाते है लोगों की मनोदशा का पता

मनोविज्ञान विषय के हर दूसरे सेमेस्टर में 100 अंकों का प्रैक्टिकल है। इसके लिए विभाग में उपकरणों से लैस प्रयोगशाला है। मुलर लीयर इल्यूजन उपकरण से व्यक्ति के भ्रम को पकड़ना सिखाते हैं। मेज लर्निंग से बताते है कि कोई काम करने से मस्तिष्क में मानचित्र बन जाता है। सामाजिक सुगमीकरण के जरिए अकेले और सामूहिक कार्य करने के तरीके बताते हैं। ये देखते है कि किसमें वह अच्छा कर रहा है। रिसर्च मैथडोलाजी में नैरेटिव एनालिसिस भी पढ़ाया जाता है। इसमें यदि व्यक्ति बोल रहा है तो उसे डायरी में रिकार्ड किया जाता है। फिर यह देखा जाता है कि उसने किन बातों और शब्दों पर ज्यादा जोर दिया। इसकी एनालिसिस से थीम के आधार पर व्यक्ति की मनोदशा का पता लगाते हैं। वोकेशनल कोर्स इन्हेंसिंग कम्युनिकेशन स्किल, सेल्फ इन्हेंस्मेंट स्किल, हैपीनेस एंड होलिस्टिक हेल्थ, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस में भी दूसरे विभाग के विद्यार्थी पढ़ने आते हैं।

हमारे शिक्षक हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी लेक्चर लेते है, जिससे हिंदी भाषी और विदेशी विद्यार्थियों में मनोविज्ञान की उनकी समझ को अच्छे से बढ़ा सकें। शिक्षक इस विषय को अच्छे से पढ़ाते और समझाते हैं। काउंसिलिंग सेल बनी है। हर बच्चे का मेंटर है। उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए काउंसिलिंग की जाती है। इसके लिए शिक्षकों का दिन तय है। बच्चों से लेकर व्यस्क और बुजुर्गों तक के मानसिक स्वास्थ्य पर शोध भी होते हैं।

डा. मानिनी श्रीवास्तव, कोआर्डिनेटर, मनोविज्ञान विभाग

काउंसिलिंग और आइक्यू टेस्ट भी

कोर्स में काउंसिलिंग की अहम भूमिका है। इसमें व्यक्ति के सोचने, समझने, काम करने के तरीके में उसे कहां दिक्कत आ रही है। यह पता करते हैं। इस प्रक्रिया में वह अपनी समस्या खुद ही हल कर लेता है। बस यह देखना होता है कि जो करने की सोच रहा है, वो कर पा रहा या नहीं। विभाग में सप्ताह के हर दिन काउंसिलिंग होती है। इसका समय तय है। उसमें हम छात्र-छात्रा का मनोवैज्ञानिक टेस्ट जैसे आइक्यू एप्टीट्यूड भी करते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

डा. सौरभ बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के सह आचार्य डा. सौरभ मालवीय को विभागाध्यक्ष बनाया है। उनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका आदेश जारी किया। (जासं)

डा.श्यामलेश बने कोआर्डिनेटर

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राच्य संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डा. श्यामलेश कुमार तिवारी को ज्योतिर्विज्ञान विभाग का कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष या अग्रिम आदेश होने तक मान्य होगा। डा. श्यामलेश को अयोध्या स्थित श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठता समारोह में नवकुंड में से त्रिकोणकुंड के आचार्य थे। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 7

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के आचार्य रहे डॉ. श्यामलेश बने कोआर्डिनेटर

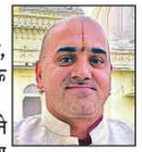

अमृत विचार, लखनऊ :लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने डॉ. श्मामलेश कुमार को ओरियंटल संस्कृत विभाग का कोआर्डिनेटर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति आगामी तीन वर्षो के लिए होगी। डॉ. श्यामलेश को ज्योर्तिविज्ञान के अतिरिक्त ओरियंटल संस्कृत विभाग के कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. श्यामलेश कुमार तिवारी प्राच्य संस्कृत विभाग सहायक आचार्य हैं और अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नवकुण्ड में से त्रिकोणकुण्ड के आचार्य रहे हैं। महाकुंभ में लखनऊ विश्वविद्यालय शिविर संयोजक होने के साथ डॉ. श्यामलेश के मार्गदर्शन में विविध विषयों पर शास्त्रीय गहन चर्चा, विविध कर्मकांडीय यज्ञ आदि महाकुंभ में सम्पन्न कराए गए।

डॉ. अमरजीत बनाए गए राज्य स्तरीय समन्वय समिति सदस्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

» आयुष महानिदेशक ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बनाई समन्वय समिति

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग और अल्टरनेटिव मेडिसिन विभाग के कोआर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव को 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश की समन्वय समिति का सदस्य बनाया गया है।

आयुष विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के महानिदेशक कार्यालय की ओर से इस आशय का पत्र जारी कर कहा गया है कि प्रदेश में 15 से 21 जून तक योग सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए 10 सदस्यीय राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग के डॉ. अमरजीत यादव को सदस्य बनाया गया है। डॉ. यादव योग और प्राणायाम के वैज्ञानिक महत्व पर करीब दो दर्जन पुस्तकें प्रकाशित कर चुके हैं। इसके अलावा वह योग के प्रचार प्रसार के लिए सदैव सक्रिय रहते हैं। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय एक माह तक योग को लेकर वृहद आयोजन कर रहा है जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोग योग के लाभ से अवगत हो रहे हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

डॉ. श्यामलेश ज्योतिर्विज्ञान विभाग के समन्वयक बने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ. श्यामलेश तिवारी को विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग का समन्वयक नामित किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक राय की मंजूरी के बाद इसका आदेश जारी कर दिया गया। वह आगामी तीन वर्षों या कोई नया आदेश जारी होने तक इस पद बने रहेंगे। डॉ. श्यामलेश 22 जनवरी को अयोध्या के श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पूजन में बतौर आचार्य शामिल हो चुके हैं। (संवाद)

डॉ. सौरभ बने पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ मालवीय को विभाग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका आदेश जारी कर दिया है। डॉ. मालवीय पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष तक इस पद पर बने रहेंगे। लविवि के पत्रकारिता विभाग में वर्तमान में कई वर्षों से कोई विभागाध्यक्ष नहीं था। विभागाध्यक्ष रहे प्रो. मुकुल श्रीवास्तव का कार्यकाल पूरा होने के बाद से कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद मोहन के पास अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार था। (संवाद)

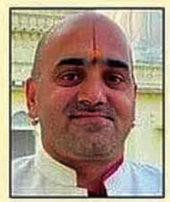

NBT PAGE 5

LU: डॉ. सौरभ बने पत्रकारिता विभाग के हेड

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के हेड की कमान डॉ. सौरभ मालवीय को सौंपी गई है। डॉ. मालवीय असोसिएट प्रफेसर हैं। अब तक प्रो. मुकुल श्रीवास्तव के अलावा विभाग में दूसरे किसी शिक्षक की अर्हता न होने से हेड का जिम्मा भी डीन प्रो. अरविंद मोहन के पास था। प्रमोशन के बाद असोसिएट प्रफेसर बनने से डॉ. सौरभ को तीन साल के लिए हेड बनाया गया है।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में डॉ. सौरभ बने पत्रकारिता के विभागाध्यक्ष

लखनऊ। एलयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ मालवीय को विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। इसका आदेश बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने जारी किया है। वहीं प्राच्य संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्यामलेश तिवारी को ज्योतिर्विज्ञान विभाग का समन्वयक नामित किया गया हैं।

VoL PAGE 6

डॉ. सौरभ मालवीय बने लविवि के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को डॉ. सौरभ मालवीय को पत्रकारिता विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ.सौरभ मालवीय हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के सुपरिचित हस्ताक्षर हैं। इनका जन्म उत्तर प्रदेश के देवरिया के ग्राम पटनेजी में हुआ। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से इन्होंने प्रसारण पत्रकारिता में स्नातकोत्तर एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और मीडिया विषय पर पीएचडी शोध उपाधि प्राप्त प्राप्त किया। वे देश भर की विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं में समसामयिक मुद्दों पर तार्किक लेखन करते हैं। ज्वलंत एवं राजनीतिक विषयों पर आप प्रायः टीवी चर्चाओं में अपने विचार रखते हुए देखे जाते हैं।